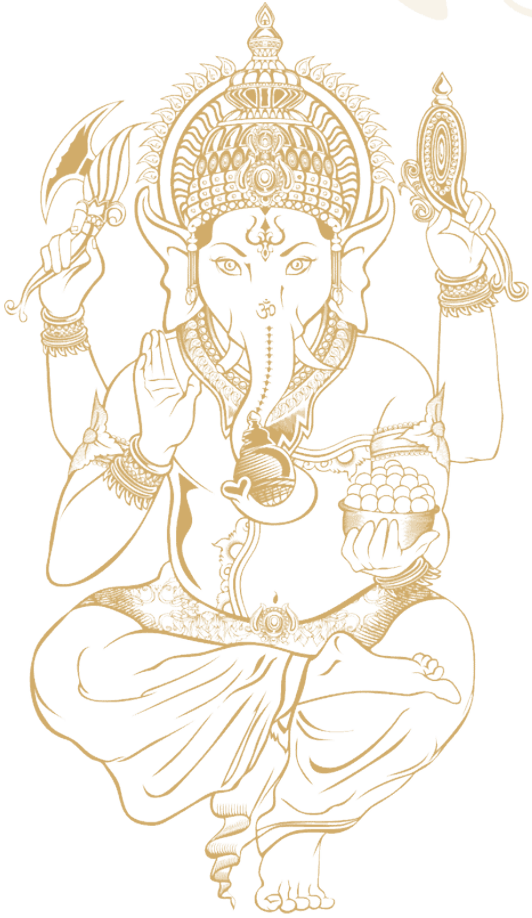

Mr.

10 Feb 2026

10:07 AM

Benaiganhalli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121240608

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **10/02/2026**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **10:07:23 घंटे**
इष्ट	: 08:28:53 घटी
स्थान	: **Benaiganhalli**
राज्य	: Karnataka
देश	: India

अक्षांश	: 13:00:00 उत्तर
रेखांश	: 77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 09:48:03 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	: 19:09:09 घंटे
सूर्योदय	: 06:43:49 घंटे
सूर्यास्त	: 18:23:26 घंटे
दिनमान	: 11:39:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 27:13:01 मकर
लग्न के अंश	: 26:32:02 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मीन - गुरु
राशि-स्वामी	: **वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	: **अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: ध्रुव
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:32:02	425:41:34	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मक	27:13:01	01:00:44	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	04:25:24	11:52:09	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल		अ	मक	19:42:47	00:47:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	11:23:03	01:41:35	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:12:24	00:05:24	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	05:28:47	01:15:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
शनि			मीन	05:21:44	00:06:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:54:35	00:00:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:54:35	00:00:23	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:15:09	00:00:19	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:11:09	00:01:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:45:40	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	21:42:57	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

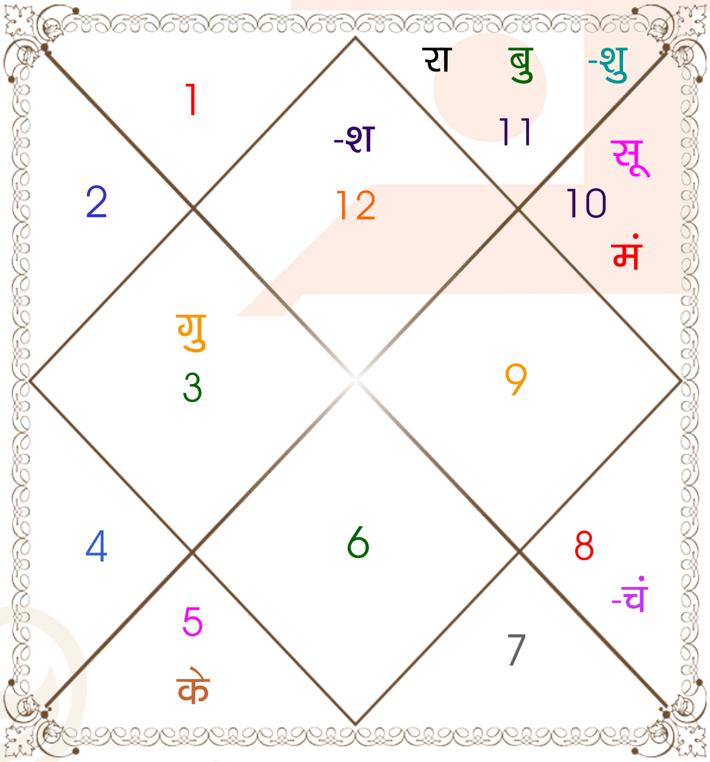

चन्द्र कुंडली

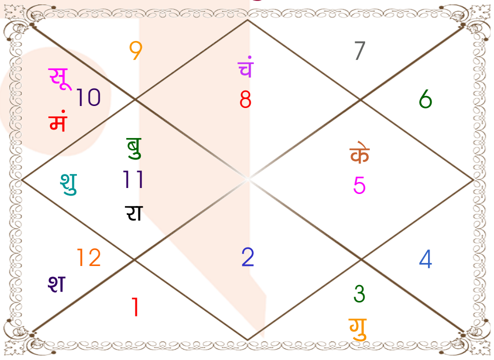

नवमांश कुंडली

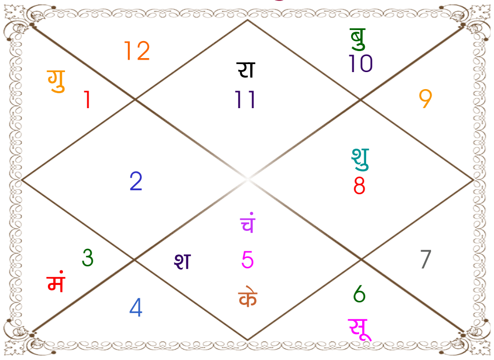

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 5 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/02/2026		23/07/2043		23/07/2060		23/07/2067		23/07/2087	
23/07/2043		23/07/2060		23/07/2067		23/07/2087		23/07/2093	
शनि	26/07/2027	बुध	19/12/2045	केतु	19/12/2060	शुक्र	22/11/2070	सूर्य	10/11/2087
बुध	05/04/2030	केतु	16/12/2046	शुक्र	18/02/2062	सूर्य	22/11/2071	चंद्र	11/05/2088
केतु	14/05/2031	शुक्र	16/10/2049	सूर्य	26/06/2062	चंद्र	23/07/2073	मंगल	15/09/2088
शुक्र	14/07/2034	सूर्य	23/08/2050	चंद्र	25/01/2063	मंगल	22/09/2074	राहु	10/08/2089
सूर्य	26/06/2035	चंद्र	22/01/2052	मंगल	23/06/2063	राहु	22/09/2077	गुरु	29/05/2090
चंद्र	24/01/2037	मंगल	18/01/2053	राहु	10/07/2064	गुरु	23/05/2080	शनि	11/05/2091
मंगल	05/03/2038	राहु	08/08/2055	गुरु	16/06/2065	शनि	23/07/2083	बुध	17/03/2092
राहु	09/01/2041	गुरु	13/11/2057	शनि	26/07/2066	बुध	23/05/2086	केतु	23/07/2092
गुरु	23/07/2043	शनि	23/07/2060	बुध	23/07/2067	केतु	23/07/2087	शुक्र	23/07/2093

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/07/2093		24/07/2103		24/07/2110		24/07/2128		24/07/2144	
24/07/2103		24/07/2110		24/07/2128		24/07/2144		00/00/0000	
चंद्र	23/05/2094	मंगल	21/12/2103	राहु	05/04/2113	गुरु	11/09/2130	शनि	11/02/2146
मंगल	22/12/2094	राहु	07/01/2105	गुरु	30/08/2115	शनि	24/03/2133		00/00/0000
राहु	22/06/2096	गुरु	14/12/2105	शनि	06/07/2118	बुध	30/06/2135		00/00/0000
गुरु	22/10/2097	शनि	23/01/2107	बुध	22/01/2121	केतु	05/06/2136		00/00/0000
शनि	24/05/2099	बुध	20/01/2108	केतु	10/02/2122	शुक्र	04/02/2139		00/00/0000
बुध	23/10/2100	केतु	17/06/2108	शुक्र	10/02/2125	सूर्य	23/11/2139		00/00/0000
केतु	24/05/2101	शुक्र	17/08/2109	सूर्य	04/01/2126	चंद्र	24/03/2141		00/00/0000
शुक्र	23/01/2103	सूर्य	23/12/2109	चंद्र	06/07/2127	मंगल	28/02/2142		00/00/0000
सूर्य	24/07/2103	चंद्र	24/07/2110	मंगल	24/07/2128	राहु	24/07/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।